

महावीर जयन्ति स्मारिका - १९७७ (फोल्डर नं. ०१४०२३)

मुख्य टाइटल

आशीर्वचन

अनुक्रमणिका

अपनी बात

अध्यक्षीय

सम्पादकीय

प्रकाशकीय

आभार

जैन सभा का परिचय

प्रथम खण्ड

वीर स्तवनम् -----	१
भगवान् महावीर-जीवन झलक -----	३
एक पद (कजरी बनारसी)-----	८
अहिंसा के प्रतीक महावीर -----	९
भौतिक जगत् और मोक्ष-----	११
जैन बौद्ध साधना पद्धति-----	१५
अर्पित कर में अक्षत चन्दन (गद्य काव्य) -----	१८
पंच कल्याणकों का स्वरूप और भगवान् महावीर -----	१९
परमपूज्य श्री वर्द्धमान को (कविता) -----	२२
भगवान् महावीर -----	२३
भगवान् महावीर, वीतरागता और निर्वाण -----	२५
जैन धर्म और कर्मसिद्धान्त-----	२९
युगों युगों तक अमर रेगा महावीर सन्देश तुम्हारा -----	३२
मानव जीवन और भगवान् महावीर -----	३३
सप्तभंगी, प्रतीकात्मक और त्रिमूल्यात्मक -----	३९
शाब्दिक सत्य उसका स्थूल संस्करण होता है -----	५३
तीर्थंकर कौन है -----	५५
ये जीवन ेक रैन का सपना-----	५८
अपरिग्रह व्रत -----	५९
जैन धर्म और वैदिक धर्म-----	६३
सच और झूठ -----	६६
व्यवहार नय की उपयोगिता-----	६७
जन्म मंगल गीत -----	७०

तीर्थंकर वर्द्धमान -----	७१
विश्व के कल्याण -----	७४
शून्यवाद समीक्षा -----	७५
काष्ठ नहीं कपास बनो-----	८२
महावीर की प्रजातांत्रिक दृष्टि -----	८३
जैन दर्शन की एक दिव्यदृष्टि-----	८७
समय न चूकत चतुर नर -----	८९
ज्ञान का खजाना -----	९२
अनेकान्त और जीवन व्यापार-----	९३
शुद्ध भावना, महावीर उवाच -----	९८
जैन दर्शन का तात्त्विक पक्ष-वस्तुस्वातन्त्र्य -----	९९
मतभेद नहीं अब रह पाये-----	१०४
जैन तर्क वाङ्मय में स्त्री मुक्ति का तार्किक विवेचन -----	१०५
क्यों-----	१०८
जनहित में भगवान महावीर (प्रथम) -----	१०९
जनहित में भगवान महावीर (द्वितीय) -----	११२
भगवान महावीर का जीवन -----	११४
द्वितीय खण्ड – कला, संस्कृति और साहित्य	
तमिल भारती को जैन मनीषियों का योगदान -----	१
जैसलमेर का जैन शिल्प-----	३
प्राचीन जैन राम साहित्य में सीता -----	७
श्वेत श्री -----	१५
पंच मुक्तक -----	१६
रयणसार के रचयिता कौन-----	१७
प्राकृत साहित्य में श्री देवी की लोक परम्परा -----	२५
यह मानव जीवन -----	२८
श्रम साधना और श्रमण संस्कृति -----	२९
कब से दिन दिखेंगे -----	३२
भगवान महावीर-मूर्तिलेखों व शिलालेखों में -----	३३
एक सत्य का द्वार -----	३६
खारवेल की तिथि-----	३७
भगवान महावीर और बुद्ध की परम्पराओं में जन भाषाओं का विकास -----	४७
जब हम तुमको देख सकेंगे -----	५४
क्या विमलसूरि यापनीय थे -----	५५
असम्पृक्त लगाव -----	५८

संगीत लहर -----	५८
प्रिंस आफ वेल्स संग्रहालय में कांस्य मूर्तियां -----	५९
महावीर की वाणी -----	६२
एक विचित्र जिन बिम्ब -----	६३
अहिंसा -----	६६
श्रमण संस्कृति की प्राचीनता -----	६७
जैनपुर-जयपुर -----	७७
अमृतवचन -----	८१
मंगल गीत -----	८२
बाहर का विज्ञान बढ़ाया कितना -----	८३
चित्रित जैन पाण्डुलिपियों का क्रमिक विकास -----	८५
जैन धर्म का भारतीय कला और संस्कृति को योगदान -----	९४
तृतीय खण्ड - विविध	
विश्वास की रक्षा -----	१
उसकी कहानी-न मरण न मोक्ष -----	९
नर नारायण बना तीड़ कर कर्मों की जंजीर -----	१२
दृष्टान्त की लड़ाई-लड़ाई का दृष्टान्त -----	१३
विचार बिन्दु -----	१६
समय की मांग -----	१७
एक प्रश्न -----	१८
निर्वाण शती वर्ष की महान् उपलब्धि -----	१९
महावीर के उपदेशों की -----	२२
नव साहित्य-कसौटी पर	
चतुर्थ खण्ड – आंग्ल भाषा	
Tri-ratna in Jain Philosophy -----	1
Jainism and Linguistic Analysis -----	9
India of Mahavira's Time -----	21
Premediaeval Jain Novels -----	27